दिन–गुरुवार दिनांक–17 / 08 / 2017

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7:30 बजे से। अवधिः– 10 मिनट

---

01. प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पूर्णिया, दरभंगा और सारण जिले में कई नये इलाकों में बाढ़ का पानी फैला।

02. बाढ़ के कारण अलग–अलग हादसों में अब तक एक सौ छह लोगों की मौत। तीन लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

03. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्वी और पश्चिमी चंपारण तथा गोपालगंज का हवाई सर्वेक्षण कर युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य चलाने का दिया निर्देश।

04. और, बेनामी संपत्ति मामले में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की पुत्री मीसा भारती और उनके पति को आयकर विभाग ने फिर जारी किया समन।

———————————————————————————————

प्रदेश के उत्तरी, पूर्वी और सीमांचल इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार चौदह जिलों के एक सौ दस प्रखंड के एक हजार एक सौ इक्यावन पंचायत बाढ़ की चपेट में हैं। नब्बे लाख से अधिक आबादी प्रभावित हुई है। गोपालगंज जिले में पिछले चौबीस घंटों के दौरान बरौली में गंडक के रिंग बांध, मुख्य तटबंध और बैकुंठपुर में जमींदारी बांध के टूटने से पचास से अधिक गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। गंडक नदी पर करतपुरा बंगरा के पास तटबंध टूटने से सारण जिले के पानापुर और मशरख प्रखंड के दियारा क्षेत्र और कुछ गांवों में बाढ़ का पानी फैल गया है। कटिहार जिले के फलका प्रखंड में बरंडी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण भरसिया और मोरसंडा पंचायतों के कई गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इन गांवों से ऊंचे स्थानों पर पलायन कर गये हैं। पूर्वी और पश्चिमी चम्पारण जिले में भी बाढ़ की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। पूर्वी चम्पारण जिले में बाढ़ से प्रभावितों की संख्या बढ़ कर दस लाख हो गयी है। हमारे संवाददाता ने बताया कि ढाका और आदापुर प्रखंडों में कुछ स्थानों पर बाढ़ का पानी घटने लगा है। पानी कम होने से मोतिहारी और ढाका के बीच सड़क मार्ग पर छोटे वाहनों का परिचालन शुरू हो गया है। पश्चिमी चम्पारण जिले के भितहां प्रखंड के चंदरपुर के पास पी.पी. तटबंध टूट जाने से सैकड़ों गांव में पानी घुस गया है। और ब्यौरे के साथ हैं हमारे संवाददाता.....

––साउंड बाईट–(बेतिया संवाददाता)––

पश्चिम चम्पारण जिला में बाढ़ की कहर से अबतक पन्द्रह लोगों की जान चली गयी है। वहीं, कई घरों से अबतक पानी नहीं निकल पाया है। जिला के सभी 18 प्रखंड इस विनाशकारी आपदा से कहीं आंशिक तो कहीं पूरी तरह से प्रभावित हैं। जिले में एसडीआरएफ की दो और एनडीआरएफ की दो टीम और आर्मी की एक कॉलम जवान बाढ़ प्रभावित इलाकों में अबतक सैंकड़ों लोगों को दूसरे स्थानों पर पहुंचा चुकी है।

आकाशवाणी समाचार के लिए बेतिया से आशीष कुमार।

अररिया से हमारे संवाददाता ने खबर दी है कि शहर से हालांकि पानी धीरे–धीरे निकलने लगा है लेकिन अन्य प्रखंडों में बाढ़ की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

––साउंड बाईट–(अररिया संवाददाता)––

अररिया शहर में बाढ़ का पानी निकलने के साथ स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। शहरी इलाकों में बिजली की सुविधा बहाल हो गयी है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अब भी अंधेरे में रात गुजारना पड़ रहा है। टेलीफोन लाईनों के ध्वस्त होने के कारण संचार व्यवस्था बुरी तरह बाधित है। जिन स्थानों पर पानी घटने लगा है वहां बाढ़ के कारण तबाही के निशान साफ दिख रहे हैं। फारबिसगंज और जोगबनी में जानमाल और आधारभूत ढांचे को भारी क्षति हुई है।

आकाशवाणी समाचार के लिये अररिया से गौतम सिंह सहगल।

पूर्णिया से हमारे संवाददाता ने बताया कि नये इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने के कारण जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। जिले के बनमनखी, कस्बा, धमदाहा, मीरगंज, के. नगर और श्रीनगर प्रखंडों में कई गांवों में तेजी से पानी प्रवेश करने लगा है। इधर, पूर्णिया को किशनगंज से जोड़ने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या इकतीस की आंशिक मरम्मत के बाद इस मार्ग पर छोटे वाहनों का परिचालन शुरू हो गया है। मधेपुरा जिले के आलमनगर और चौसा प्रखंड में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सहरसा जिले के सोनवर्षा, पतरघट, सौरबाजार और सत्तरकटैया प्रखंडों के नये इलाकों में पानी प्रवेश करने लगा है। सुपौल जिले में कोसी नदी के जलस्तर में हालांकि थोड़ी कमी आई है लेकिन तिलयुगा, बिहुल और सुरसर नदी अभी भी उफान पर है। खगड़िया जिले में बागमती नदी खतरे के निशान से लगभग पौने तीन मीटर ऊपर बह रही है। सीतामढ़ी से हमारे संवाददाता ने खबर दी है कि बीती रात भारी बारिश होने से बाढ़ की स्थिति और गम्भीर हो गयी है। बागमती और अधवारा समूह की नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बागमती नदी कटौंझा में खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर बह रही है। जिले में बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बारह हो गयी है। दरभंगा जिले की करीब सात लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। जिले के घनश्यामपुर प्रखंड के नये इलाको में कमला बलान नदी का पानी प्रवेश कर गया है। खिरोई नदी का पश्चिमी तटबंध बघैल और सिमराहा के पास टूट जाने से जाले प्रखंड की बीस पंचायतें बाढ़ की चपेट में आ गयी हैं। दरभंगा शहर के वार्ड संख्या आठ और नौ के शुभंकरपुर रतनोपट्टी इलाके में अधवारा समूह की नदियों का पानी प्रवेश कर गया है। मधुबनी जिले के झंझारपुर में

कमला बलान नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कई तटबंधों पर पानी का दबाव बना हुआ है।

––साउंड बाईट–(मधुबनी संवाददाता)––

मधुबनी जिले के लगभग 300 गाँवो के 4 लाख 24 हजार की आबादी बाढ़ से प्रभाबित है। जिले के प्रभारी मंत्री प्रेम कुमार बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। बाझ प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना के जवानों द्वारा युद्धस्तर पर बचाव और राहत कार्य किया जा रहा है।

आकाशवाणी समाचार के लिए मधुबनी से अमरनाथ आनंद।

समस्तीपुर जिले में बागमती नदी उफान पर है जिस कारण लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस के स्थानीय विधायक अशोक कुमार ने राज्य सरकार से प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द राहत सामग्री भेजने की मांग की है। अरवल से हमारे संवाददाता ने खबर दी है कि पुनपुन नदी के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

————————————————————————————————

राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों में सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, एनडीआरएफ और राज्य आपदा मोचन बल सहित पचास राहत और बचाव दल लगाए हैं। इन टीमों में दो हजार से अधिक प्रशिक्षित कर्मचारी और तीन सौ से अधिक नौकाएं शामिल हैं। प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविरों की भी स्थापना की गयी है। बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़ कर एक सौ छह हो गई है। पांच सौ चार राहत शिविरों में लगभग एक लाख बीस हजार लोग शरण लिये हुए हैं। अब तक लगभग तीन लाख लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। बाढ़ के कारण कई रेलखंडों पर ट्रेनों का परिचालन ठप्प है। वहीं, कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी यातायात पूरी तरह ठप्प है।

————————————————————————————————

इधर, दरभंगा में बाढ़ राहत समीक्षा के दौरान जिले के प्रभारी मंत्री महेश्वर हजारी ने काम में लापरवाही बरतने के मामले में जल संसाधन विभाग के समस्तीपुर अंचल के मुख्य अभियंता और झंझारपुर बाढ़ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया है।

————————————————————————————————

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने आज पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण और गोपालगंज जिले के बाढ़ग्रस्त इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। बेतिया में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री कुमार ने कहा कि राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी चंपारण जिले में अचानक आयी बाढ़ के कारण जान–माल का बड़े पैमाने पर

नुकसान हुआ है। इधर, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, मधुबनी, पश्चिमी चंपारण और पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारियों ने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया।

———————————————————————————————

केन्द्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए चौदह हजार सात सौ साठ टन अतिरिक्त चावल आवंटित किया है। खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि यदि राज्य को और अधिक अनाज की आवश्यकता होगी तो केन्द्र उपलब्ध कराएगा।

———————————————————————————————

राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने आज कहा कि बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिये पार्टी के सांसद, विधायक और विधान पार्षद अपने एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दान करेंगे। श्री कुशवाहा ने अन्य दलों से भी राज्य के बाढ़ पीड़ितों की खुलकर मदद के लिये आगे आने की अपील की है। उधर, लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रभावित इलाकों में जाकर राहत कार्य चलायेंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी ने कटिहार में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद केन्द्र सरकार से बिहार की बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है।

———————————————————————————————

आयकर विभाग ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी और सांसद मीसा भारती तथा उनके पति शैलेश कुमार को बेनामी सम्पत्ति मामले में एक बार फिर समन जारी किया है। उन्हें सोमवार को उपस्थित होने को कहा गया है।

———————————————————————————————

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सताईस अगस्त को आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से अपने विचार साझा करेंगे। यह इस कार्यक्रम की पैंतीसवीं कड़ी होगी। श्री मोदी ने ट्वीट में लोगों से नरेन्द्र मोदी ऐप पर अपने विचार और सुझाव साझा करने को कहा है। लोग, माई गॉव ओपन फोरम पर भी अपने विचार रख सकते हैं। टोल फ्री नम्बर एक आठ शून्य शून्य – एक–एक– सात–आठ–शून्य–शून्य पर हिंदी या अंग्रेजी में लोग अपने संदेश रिकॉर्ड करा सकते हैं। लोग एक नौ दो दो नम्बर पर मिस्ड कॉल दे सकते हैं और इसके बाद मिलने वाले एसएमएस में दिए गए लिंक पर सीधे प्रधानमंत्री को अपने सुझाव दे सकते हैं। चुनिंदा संदेशों और सुझावों को मन की बात कार्यक्रम में शामिल किया जा सकता है।

———————————————————————————————

उच्चतम न्यायालय ने बिहार सरकार को उस निराश्रित महिला को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, जिसके साथ दुष्कर्म किया गया था और चिकित्सा बोर्ड के परामर्श के बाद उसे छब्बीस सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति नहीं दी गई थी। न्यायमूर्ति दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने पटना उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसके कारण महिला को गर्भ समाप्त करने की मंजूरी नहीं दी गई थी। न्यायालय पैंतीस वर्षीय एचआईवी पीड़ित महिला के मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसके साथ पटना की सड़कों पर कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया था।

————————————————————————————————

समस्तीपुर जिले की एक स्थानीय अदालत ने सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में एक युवक को फांसी की सजा सुनायी है। मामला जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र का है जहां वर्ष दो हजार चौदह में यह वारदात हुई थी।

————————————————————————————————

और अब अंत में मुख्य समाचार.....

01. प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पूर्णिया, दरभंगा और सारण जिले में कई नये इलाकों में बाढ़ का पानी फैला।

02. बाढ़ के कारण अलग–अलग हादसों में अब तक एक सौ छह लोगों की मौत। तीन लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

03. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्वी और पश्चिमी चंपारण तथा गोपालगंज का हवाई सर्वेक्षण कर युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य चलाने का दिया निर्देश।

04. और, बेनामी संपत्ति मामले में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की पुत्री मीसा भारती और उनके पति को आयकर विभाग ने फिर जारी किया समन।

————————————————————————————————